भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
मत्स्यपालन विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2732
05 अगस्त, 2025 को उत्तर के लिए

ओडिशा में प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना

2732. श्रीमती मालविका देवी:

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) के अंतर्गत ओडिशा, विशेष रूप से कालाहांडी संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के लिए परियोजनाएं स्वीकृत की हैं;

(ख) सरकार द्वारा इन क्षेत्रों में हैचरी, कोल्ड चेन या मछली अवतरण केंद्र जैसे किसी प्रकार के बुनियादी ढाँचे का विकास किया जा रहा है,

(ग) राज्य में इस योजना के अंतर्गत क्षमता विकास और वित्तीय सहायता से लाभान्वित होने वाले मछुआरों और स्व-सहायता समूहों (एसएचजीएस) की संख्या कितनी है; और

(घ) समग्र मत्स्य विकास के लिए सिंचाई, विपणन संपर्क और ऋण सहायता योजनाओं के साथ एकीकृत प्रयास सुनिश्चित करने हेतु सरकार द्वारा कौन-कौन से कदम उठाए गए हैं?

उत्तर
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री
(श्री जॉर्ज कुरियन)

(क): मत्स्यपालन विभाग, मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार ने प्रधान मंत्री मत्स्य संपदा योजना (PMMSY) के अंतर्गत ओडिशा राज्य में, कालाहांडी निर्वाचन क्षेत्र सहित, मत्स्य पालन और जलीय कृषि के विकास हेतु 1298.25 करोड़ रुपए की कुल परियोजना लागत पर ओडिशा सरकार के प्रस्तावों को स्वीकृति दी है। इसके अतिरिक्त, PMMSY के केंद्रीय क्षेत्र योजना घटक के अंतर्गत 108.91 करोड़ रुपए की लागत से पारादीप फिशिंग हारबर के उन्नयन और आधुनिकीकरण हेतु पारादीप पोर्ट ट्रस्ट के प्रस्ताव को भी स्वीकृति दी गई है ।

(ख) और (ग): ओडिशा सरकार ने सूचित किया है कि PMMSY के अंतर्गत कालाहांडी ज़िले में विभिन्न गतिविधियाँ कार्यान्वित की जा रही हैं, जैसे (i) ग्रो आउट तालाब का निर्माण – 29.15 हेक्टेयर, (ii) नए बीज पालन तालाबों का निर्माण – 9.6 हेक्टेयर, (iii) फिनफ़िश हैचरी की स्थापना – 3 यूनिट्स , (iv) अत्याधुनिक फिश फीड़ प्लांट की एक यूनिट्स , (v) आइस बॉक्स वाली मोटर साइकिल – 10 यूनिट्स , (vi) आइस-बॉक्स के साथ थ्री वीलर – 2 यूनिट्स और (vii) पारंपरिक मछुआरों (डिंगी/एफआरपी) के लिए नावें (प्रतिस्थापन) और जाल उपलब्ध कराना। ओडिशा सरकार ने यह भी सूचित किया है कि PMMSY के अंतर्गत ओडिशा में 8970 महिला लाभार्थियों सहित 48,101 लाभार्थी लाभान्वित हुए हैं।

(घ): PMMSY के अंतर्गत परिणामों को बेहतर बनाने और संसाधनों की बचत के लिए केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं के साथ तालमेल पर ज़ोर दिया जाता है। प्रमुख क्षेत्रों में सागरमाला कार्यक्रम के माध्यम से इनफ्रास्ट्रक्चर के विकास, प्रधान मंत्री किसान संपदा योजना के माध्यम से पोस्ट हारवेस्ट सहायता, MGNREGS के अंतर्गत जलाशयों का निर्माण, RKVY और NRLM के माध्यम से जलीय कृषि विकास, वाणिज्य विभाग और MPEDA के साथ मत्स्य निर्यात संवर्धन, किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से कार्यशील पूँजी तक पहुँच, DARE, INCOIS और ISRO के माध्यम से तकनीकी उन्नति, और जल शक्ति मंत्रालय के साथ जल प्रबंधन शामिल हैं। यह एकीकृत दृष्टिकोण मत्स्य पालन क्षेत्र में सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देता है।

****